पेश दि० 25/6/25 को पेश हुई

25/6/25 पत्रावली पेश हुयी। कोई भी उप० नहीं है। वादी का हक वाद अदम हाजरी पैरवी के खारिज हो चुका है। स्वालिख पर पत्रावली अदम हाजरी पैरवी के खारिज की जाती है। पत्रावली फैसल शुमार होकर मालवाद के साथ संलग्न रहे।